No. of Printed Pages : 6

MHI-03

MASTER OF ARTS (HISTORY)

(MAH)

Term-End Examination

December, 2020

MHI-03 : HISTORIOGRAPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer any* ***five*** *questions in about* ***500*** *words each.*

(*ii*) *Attempt at least* ***two*** *questions from each Section.*

(*iii*) *All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Write a critical note on the Rankean tradition of history-writing. 20

2. Discuss the Greco-Roman traditions of history-writing. 20

3. What do you understand by causation ? How do historians use causation in writing history ? 20

4. Discuss the important features of the Indo-Persian tradition of history-writing under the Mughals. 20

5. What do you understand by micro-history ? Discuss the historians and their works associated with this historiographical tradition. 20

Section—II

6. Describe the main features of colonial historiography. Discuss *two* important historians belonging to this trend. 20

7. Critically analyse the main arguments of the Cambridge School on Indian Nationalism. 20

8. Explain the idea of history from below. What are the main problems involved in writing such histories ? 20

9. Discuss the post-modernist views on history. 20

10. Write short notes on any ***two*** of the following in about ***250*** words each : 10+10

(a) D. D. Kosambi and Indian historiography

(b) Prashastis and Charitas

(c) Colonial views on caste

(d) Feminist historiography in India

MHI-003

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

(एम.ए.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.आई.-003 : इतिहास-लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।*

*(ii) प्रत्येक भाग में से कम से कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग–I

1. इतिहास-लेखन की रानकेवादी परम्परा पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए। 20

2. इतिहास-लेखन की ग्रीक-रोमन परम्पराओं की विवेचना कीजिए। 20

3. कारण-कार्य सम्बन्ध से आप क्या समझते हैं ? इतिहासकार इतिहास लिखने के लिए कारण-कार्य का कैसे उपयोग करते हैं ? 20

4. मुगलकाल के दौरान इतिहास-लेखन की इंडो-फारसी परम्परा की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

5. सूक्ष्म इतिहास से आप क्या समझते हैं ? इतिहास-लेखन की इस परम्परा से जुड़े हुए इतिहासकारों और उनके कार्य की विवेचना कीजिए। 20

भाग-II

6. औपनिवेशिक इतिहास-लेखन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। इस धारा से सम्बन्धित **दो** महत्वपूर्ण इतिहासकारों की विवेचना कीजिए। 20

7. भारतीय राष्ट्रवाद पर कैम्ब्रिज स्कूल के मुख्य तर्कों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

8. जनोन्मुखी इतिहास की धारणा की व्याख्या कीजिए। इस प्रकार के इतिहास लिखने में क्या मुख्य समस्यायें हैं ?20

9. इतिहास पर उत्तर-आधुनिकतावादी दृष्टिकोणों की विवेचना कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग ***250*** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(क) डी. डी. कौशाम्बी और भारतीय इतिहास-लेखन

(ख) प्रशस्ति और चरित

(ग) जाति पर औपनिवेशिक दृष्टिकोण

(घ) भारत में महिलावादी इतिहास-लेखन